



Mr.pranav

06 Apr 2023

07:50 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121168207

लिंग \_\_\_\_\_: पुल्लिंग  
जन्म तिथि \_\_\_\_\_: 06/04/2023  
दिन \_\_\_\_\_: गुरुवार  
जन्म समय \_\_\_\_\_: 19:50:00 घंटे  
इष्ट \_\_\_\_\_: 34:19:14 घटी  
स्थान \_\_\_\_\_: Delhi  
देश \_\_\_\_\_: India

अक्षांश \_\_\_\_\_: 28:39:00 उत्तर  
रेखांश \_\_\_\_\_: 77:13:00 पूर्व  
मध्य रेखांश \_\_\_\_\_: 82:30:00 पूर्व  
स्थानिक संस्कार \_\_\_\_\_: -00:21:08 घंटे  
ग्रीष्म संस्कार \_\_\_\_\_: 00:00:00 घंटे  
स्थानिक समय \_\_\_\_\_: 19:28:52 घंटे  
वेलान्तर \_\_\_\_\_: -00:02:32 घंटे  
साम्पातिक काल \_\_\_\_\_: 08:27:20 घंटे  
सूर्योदय \_\_\_\_\_: 06:06:18 घंटे  
सूर्यास्त \_\_\_\_\_: 18:41:31 घंटे  
दिनमान \_\_\_\_\_: 12:35:14 घंटे  
सूर्य स्थिति(अयन) \_\_\_\_\_: उत्तरायण  
सूर्य स्थिति(गोल) \_\_\_\_\_: उत्तर  
ऋतु \_\_\_\_\_: वसन्त  
सूर्य के अंश \_\_\_\_\_: 22:20:36 मीन  
लग्न के अंश \_\_\_\_\_: 08:01:37 तुला

#### अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति \_\_\_\_\_: तुला - शुक्र  
राशि-स्वामी \_\_\_\_\_: कन्या - बुध  
नक्षत्र-चरण \_\_\_\_\_: चित्रा - 2  
नक्षत्र स्वामी \_\_\_\_\_: मंगल  
योग \_\_\_\_\_: व्याघात  
करण \_\_\_\_\_: बालव  
गण \_\_\_\_\_: राक्षस  
योनि \_\_\_\_\_: व्याघ्र  
नाड़ी \_\_\_\_\_: मध्य  
वर्ण \_\_\_\_\_: वैश्य  
वश्य \_\_\_\_\_: मानव  
वर्ग \_\_\_\_\_: मूषक  
युँजा \_\_\_\_\_: मध्य  
हंसक \_\_\_\_\_: भूमि  
जन्म नामाक्षर \_\_\_\_\_: पो-पौरुष  
पाया(राशि-नक्षत्र) \_\_\_\_\_: लौह - रजत  
सूर्य राशि(पाश्चात्य) \_\_\_\_\_: मेष

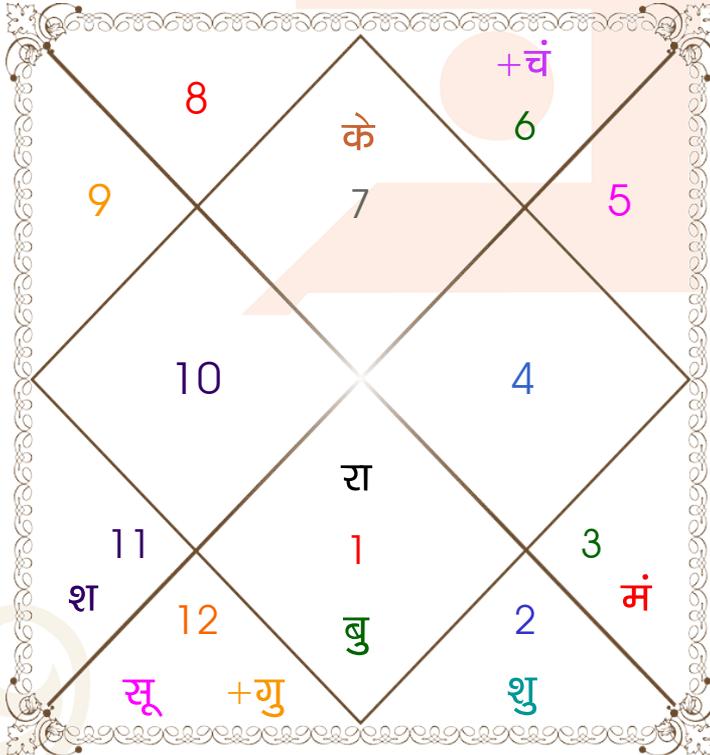
## ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	08:01:37	311:23:39	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	---
सूर्य			मीन	22:20:36	00:59:02	रेवती	2	27	गुरु	बुध	चंद्र	मित्र राशि
चंद्र			कन्या	27:08:26	12:49:25	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	मित्र राशि
मंगल			मिथु	11:50:56	00:30:39	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	शत्रु राशि
बुध			मेष	10:23:23	01:27:19	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	सम राशि
गुरु		अ	मीन	26:17:24	00:14:28	रेवती	3	27	गुरु	बुध	गुरु	स्वराशि
शुक्र			वृष	00:26:00	01:10:30	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	राहु	स्वराशि
शनि			कुंभ	09:06:49	00:05:56	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	मूलत्रिकोण
राहु		व	मेष	09:49:53	00:00:56	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	शनि	शत्रु राशि
केतु		व	तुला	09:49:53	00:00:56	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	सम राशि
हर्ष			मेष	22:54:05	00:03:06	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	---
नेप			मीन	01:44:36	00:02:10	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	---
प्लूटो			मक	06:02:00	00:00:43	उत्तराषाढा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
दशम भाव			कर्क	10:18:54	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	शुक्र	--

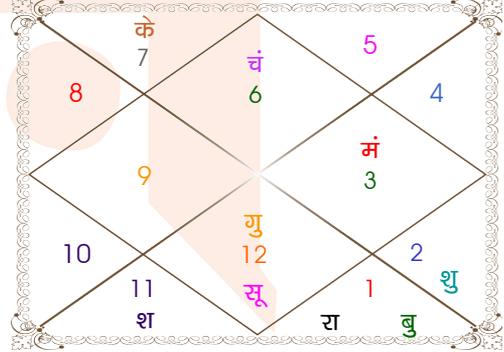
व - वकी स - स्थिर  
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त  
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:10:45

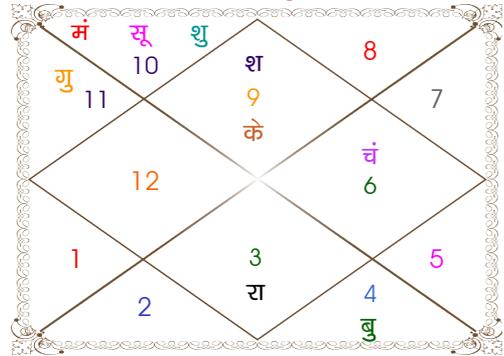
### लग्न-चलित



### चन्द्र कुंडली



### नवमांश कुंडली



## विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 5 वर्ष 0 मास 0 दिन

मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष
06/04/2023	06/04/2028	06/04/2046	06/04/2062	06/04/2081
06/04/2028	06/04/2046	06/04/2062	06/04/2081	06/04/2098
00/00/0000	राहु 18/12/2030	गुरु 25/05/2048	शनि 09/04/2065	बुध 03/09/2083
06/04/2023	गुरु 13/05/2033	शनि 06/12/2050	बुध 18/12/2067	केतु 30/08/2084
गुरु 28/08/2023	शनि 19/03/2036	बुध 13/03/2053	केतु 26/01/2069	शुक्र 01/07/2087
शनि 06/10/2024	बुध 06/10/2038	केतु 17/02/2054	शुक्र 28/03/2072	सूर्य 06/05/2088
बुध 03/10/2025	केतु 25/10/2039	शुक्र 18/10/2056	सूर्य 10/03/2073	चंद्र 06/10/2089
केतु 01/03/2026	शुक्र 24/10/2042	सूर्य 06/08/2057	चंद्र 09/10/2074	मंगल 03/10/2090
शुक्र 01/05/2027	सूर्य 18/09/2043	चंद्र 06/12/2058	मंगल 18/11/2075	राहु 21/04/2093
सूर्य 06/09/2027	चंद्र 19/03/2045	मंगल 12/11/2059	राहु 24/09/2078	गुरु 28/07/2095
चंद्र 06/04/2028	मंगल 06/04/2046	राहु 06/04/2062	गुरु 06/04/2081	शनि 06/04/2098

केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष
06/04/2098	07/04/2105	07/04/2125	08/04/2131	07/04/2141
07/04/2105	07/04/2125	08/04/2131	07/04/2141	00/00/0000
केतु 03/09/2098	शुक्र 07/08/2108	सूर्य 26/07/2125	चंद्र 06/02/2132	मंगल 03/09/2141
शुक्र 03/11/2099	सूर्य 07/08/2109	चंद्र 24/01/2126	मंगल 06/09/2132	राहु 22/09/2142
सूर्य 11/03/2100	चंद्र 08/04/2111	मंगल 01/06/2126	राहु 08/03/2134	गुरु 07/04/2143
चंद्र 10/10/2100	मंगल 07/06/2112	राहु 26/04/2127	गुरु 08/07/2135	00/00/0000
मंगल 08/03/2101	राहु 08/06/2115	गुरु 12/02/2128	शनि 05/02/2137	00/00/0000
राहु 26/03/2102	गुरु 06/02/2118	शनि 24/01/2129	बुध 08/07/2138	00/00/0000
गुरु 02/03/2103	शनि 07/04/2121	बुध 01/12/2129	केतु 06/02/2139	00/00/0000
शनि 10/04/2104	बुध 06/02/2124	केतु 07/04/2130	शुक्र 07/10/2140	00/00/0000
बुध 07/04/2105	केतु 07/04/2125	शुक्र 08/04/2131	सूर्य 07/04/2141	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 4 वर्ष 11 मा 26 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

## लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ धनु राशि का नवमांश एवं तुला राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। आपका यह जन्मकालिक प्रभाव यह निर्दिष्ट करता है कि सामान्यतया आपका जन्म प्रभाव का प्रवेश काल अति उत्तम फलदायी मुख्यतः आपकी आयु के 30 वें वर्ष से 35 वर्ष के समय में प्रमाणित होगा।

बल्कि आप मृदु स्वभाव के उत्तम प्राणी हैं। आपमें ऐसी क्षमता विद्यमान है कि आप अपने धैर्य को नियंत्रित रखते हैं। आपका वास्तविक मूल्यांकन अन्य व्यक्ति करते हैं। आप किसी भी वस्तु का सही महत्त्व एवं मूल्यांकन कर सकते हैं। आप अपने व्यवसाय में सफल हो सकते हैं। इसलिए यदि आपकी अभिलाषा हो, तो आप पुजारी होकर, उच्च स्तरीय धार्मिक उपदेशक बनकर उच्च कोटि के श्रद्धावान हो सकते हैं। आप सदैव धार्मिक और परोपकारी संस्थाओं को दान-प्रदान करने के लिए उत्सुक रहेंगे। आपके लिए व्यवसायों में उत्तम व्यवसाय ऑटो मोबाइल्स, ट्रांसपोर्ट का कार्य, पर्यटन अथवा फैन्सी वस्तुओं का धन्धा अच्छा होगा।

यदि आप अपने अनुकूल सेवा (नौकरी) कार्य करना चाहते हैं तो आप वैज्ञानिक अथवा न्यायधीश की सेवा कार्य प्रारंभ कर सकते हैं।

आप निश्चय पूर्वक धनी होंगे। धन का सदुपयोग अपने परिवार के सहायता हेतु एवं मित्रों की सहायता हेतु करेंगे। आप जन सामान्य में यह प्रदर्शक नहीं करेंगे कि आप सामान्य विपरीत योनि के प्रति वासनात्मक प्रवृत्ति रखते हैं। परंतु आप अपनी पत्नी के साथ गहन प्रेम संबंध बनाए रखेंगे। आप हर परिस्थिति में संभव मांग अर्थात् अपनी पत्नी एवं बच्चों की अभिलाषा पूरी करेंगे।

आपका पूर्ण सामंजस्य मिथुन राशि अथवा कुंभ राशि लग्न में उत्पन्न जातक के साथ हो सकता है। यदि आप अपनी पसंद के अनुरूप मकर राशि कर्क अथवा मीन राशीय जलीय तत्व के प्राणी के साथ मैत्री करना चाहें तो आप इनके साथ मित्रता करके अधिक प्रसन्न रह सकेंगे। आपका एक सामंजस्य पूर्ण परिवार होगा जिसमें सीमित संख्या में आपकी संताने होंगी जो आपके द्वारा अपने पैरों पर खड़े होंगे तथा आपकी वृद्धावस्था के लिए सहायक सिद्ध होंगे। आप संतान के संबंध में एक भाग्यशाली व्यक्ति होंगे जो अपने नाम और अपनी प्रसिद्धि कर आपको आनंदित करेंगे।

आप स्वास्थ्य और शारीरिक दृष्टि से उत्तम, सुंदर, मनोहर एवं प्रतिभा संपन्न होंगे। आपकी ओठ सदैव ही मुस्कुराहट से युक्त तथा चेहरा हंसमुख प्रतीत होगा। स्वास्थ्य तो बहुत उत्तम रहेगा परंतु कालांतर में मूत्र संबंधी परेशानी तथा मेरुदंडनीय अव्यवस्था उत्पन्न न हो जाए अस्तु आप को सावधानी बरतनी होगी। आप अति महत्त्वकांक्षी प्राणी हैं। आप अपने उद्देश्य तक पहुंचने के लिए कठिन श्रम का संपादन करेंगे। आप अपने अच्छी शिष्टाचार एवं सुंदर व्यवहार प्रेमालिंगन के कारण शक्ति संपन्न एवं उच्चकोटि के प्राणी होंगे।

इस प्रकार का बदलाव आपके लिए लाभदायक तथा धन-संपत्ति से युक्त संपन्नता व्यक्त करायेगा। आपका सौम्य स्वभाव दूसरों को एक संयमित धन प्रदान करायेगा। आपको यथा संभव बेईमान एवं चरित्रहीन तत्व के प्रति सतर्क रहना चाहिए जो तत्व आपको मूर्ख समझते हैं। आप इस प्रकार के परिष्कार करने वाली आदतों का त्याग करें जो कि नकारात्मक प्रवृत्ति को उत्पन्न करता है। इस प्रकार के अनगिणत प्राणी आपसे अर्थिक सहयोग लेकर आपकी आर्थिक स्थिति को पंगु बना देंगे।

आपका परिवारिक एक अंग जो विदेशी अच्छे मित्र हैं। उनके द्वारा आपको महान उपलब्धि प्राप्त होगी। आपके लिए इन मित्रों के बिना आपका समय व्यतीत करना एक दुष्कर कार्य होगा। आप उनके लिए विश्वासी, शक्ति संपन्न एवं सम्मानित दृष्टिगत होंगे। आप वास्तव में मित्रों के मित्र हैं। आप उनकी सहायता हेतु किसी भी प्रकार का सीमोलंघन करेंगे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नहीं है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 1, 2, 5 और 7 अंक अति उत्तम फलदायी है। परन्तु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए रंगों में उत्तम रंग नारंगी, लाल एवं सफेद रंग हैं। परन्तु रंग पीला एवं हरे रंगों का त्याग करेंगे।